सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-4 • 11 NOVEMBER TO 17 NOVEMBER 2022 • VOLUME-17 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

रास्ते कहां खत्म होते हैं?
जिंदगी के सफर में?
मंजिल तो वहीं है
जहां ख्वाहिशें थम जाएँ।

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the Visa

•IELTS •STUDY ABROAD

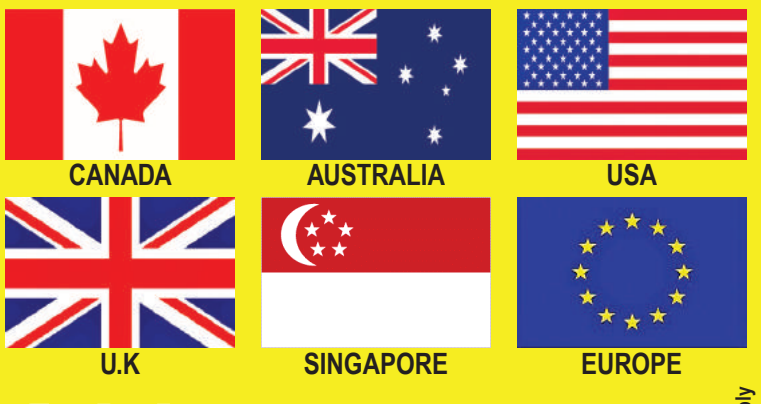

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

बेअदबी केस में डेरा प्रेमी प्रदीप सिंह की हत्या

गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने ली जिम्मेदारी, मुख्यमंत्री ने दिए जांच के आदेश

• जालंधर ब्रीज.फरीदकोट

पंजाब के फरीदकोट में गुरुवार की सुबह हुई डेरा प्रेमी प्रदीप सिंह की हत्या की कथित जिम्मेदारी विदेश में बैठे गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने ली है। गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने फेसबुक पर पोस्ट डाल कर प्रदीप सिंह की हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए कहा है कि सरकार पिछले 7 साल से बेअदबी के मामले में दोषियों को लेकर इंसाफ नहीं कर पाई, इसलिए हमने खुद इंसाफ कर दिया।

यही नहीं गोल्डी बराड़ ने अपने फेसबुक पोस्ट में सरकार और राज्य की कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठाए हैं। वहीं, गोल्डी बराड़ ने इस हत्या को सीधे बेअदबी से जोड़ दिया है। पोस्ट में गोल्डी बराड़ ने यह भी लिखा है कि उसे पुलिसकर्मियों के जख्मी होने का दुख है। गोल्डी बराड़ की पोस्ट पर लिखा है कि कोई भी धर्म से खिलवाड़ करेगा, उसका ऐसा ही हश्र होगा। साथ ही धार्मिक भाईचारे को कायम रखने की बात भी कही गई है।

फिलहाल इस फेसबुक पोस्ट को अभी पुलिस वेरीफाई नहीं कर पाई है कि यह पोस्ट गोल्डी बराड़ की है या नहीं। पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि इस पोस्ट को पुलिस का साइबर सेल वेरीफाई करने की कोशिश कर रहा है। जल्द ही पता लगा लिया जाएगा कि पोस्ट किसने की है।

दूसरी तरफ फरीदकोट में डेरा प्रेमी प्रदीप सिंह की हत्या के बाद पंजाब के सीएम भगवंत मान ने राज्य के लोगों से अमन और शांति बनाए रखने की अपील की है। सीएम मान ने ट्वीट कर कहा, "पंजाब एक शांति प्रिय राज्य है, जहां लोगों के बीच आपसी भाईचारा बहुत मजबूत है। किसी को भी पंजाब की शांति भंग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। राज्य में शांति बनाए रखने के लिए नागरिक और पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं, वहीं पुलिस ने दावा किया है कि मामले में उसे अहम सुराग मिले हैं और आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। आपको बता दें कि पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या में भी गोल्डी बराड़ का नाम आ चुका है।

आप सरकार सुरागहीन, राज्य में फैली अराजकता : वड़िंग

जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़ : पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने राज्य में कानून व्यवस्था की बिगड़ रही स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि आम आदमी पार्टी सरकार अपनी जिम्मेदारी से पूरी तरह पीछे हट चुकी है। वड़िंग ने कहा कि आप सरकार पूरी तरह से सुरागहीन है और पंजाब में अराजकता फैल चुकी है। लोगों ने कानून अपने हाथों में लेकर हत्याएं करनी शुरू कर दी हैं, जो राज्य के लिए खतरे की निशानी है। कोटकपूरा शहर में आज एक डेरा सच्चा सौदा प्रेमी की हत्या का जिक्र करते हुए, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि किसी भी हत्या को उचित नहीं ठहराया जा सकता और किसी को भी कानून अपने हाथों में लेने की इजाजत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने लोगों से हर कीमत पर शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी समस्या का हल हिंसा नहीं है।

वड़िंग ने अरविंद केजरीवाल को उनके द्वारा सरकार बनने के 24 घन्टों के भीतर बेअदबी के मामलों में न्याय देने के वायदे की याद दिलाई है। उन्होंने कहा कि लोग खुद को ठगा हुआ और निराश महसूस कर रहे हैं, जिसका परिणाम हम सबके सामने में है, जो कोटकपूरा में हुआ और यह राज्य के लिए अच्छा नहीं है।

कोटकपूरा घटना को लेकर सख्त मुख्यमंत्री भगवंत मान

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने समाज विरोधी तत्वों को सख्त शब्दों में ताडऩा करते हुए कहा कि राज्य की अमन-शान्ति और आपसी-भाईचारे को भंग करने के नापाक मंसूबे किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने दिए जाएंगे। आज यहाँ कानून-व्यवस्था का जायजा लेने के लिए उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने अफसरों को कोटकपूरा में डेरा प्रेमी की हत्या के मामले को जल्द से जल्द सुलझाने के हुक्म दिए, ताकि दोषियों को कानून के मुताबिक कड़ी सज़ा दिलाई जा सके। इस दौरान सीनियर पुलिस अफसरों ने मुख्यमंत्री को इस घटना संबंधी विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि पुलिस द्वारा इस संवेदनशील मामले की हरेक पहलू से जांच की जा रही है और इस मामले को बिना किसी पक्षपात से कानूनी निष्कर्ष पर ले जाया जायेगा। उन्होंने कहा कि किसी आपराधिक घटना को जाति या मजहब की संकीर्ण नज़र से नहीं देखा जा सकता और इस जुर्म को अंजाम देने वालों को किसी भी सूरत में बख्शे नहीं जाएंगे।

होशियारपुर के 3 किलोमीटर क्षेत्र में किया ड्राई-डे घोषित

जालंधर ब्रीज.होशियारपुर : जिला मजिस्ट्रेट संदीप हंस ने हिमाचल प्रदेश विधान सभा चुनावों के मद्देनजर जिला ऊना व कांगड़ा की सीमा से लगते जिला होशियारपुर के 3 किलोमीटर क्षेत्र में 10 नवंबर सांय 5 बजे से 12 नवंबर सांय 5 बजे तक व 8 दिसंबर को ड्राई डे घोषित करते हुए शराब के ठेके बंद करने व किसी भी व्यक्ति द्वारा शराब स्टोर करने व बेचने पर पूर्ण तौर पर रोक लगाई है। यह आदेश होटलों, रेस्टोरेंटों, क्लबों व शराब के अहातों पर जहां शराब बेचने व पीने की कानूनी आज्ञा है पर भी पूर्ण तौर पर लागू होगें।

हिदायतों के अनुसार वोटिंग पडऩे के लिए निर्धारित समय खत्म होने से 48 घंटे पहले यह पाबंदी शुरु हो कर वोटों वाले दिन वोटिंग प्रक्रिया खत्म होने तक ड्राई डे घोषित किया जाता है।

हिमाचल प्रदेश में चुनावी प्रचार का शोर थमा

68 सीटों पर शनिवार को होंगे चुनाव

• जालंधर ब्रीज.शिमला

हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर चुनाव प्रचार का शोर थम गया है। शनिवार को 68 सीटों पर विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। हिमाचल प्रदेश में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच है। वहीं, केंद्रिय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को गुरुद्वारा पाउंटा साहिब नतमस्तक हुए।

हिमाचल प्रदेश चुनाव के नतीजे 8 दिसंबर को गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजों के साथ ही आएंगे। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, जेपी नड्डा सहित कई

दिग्गज नेताओं ने मतदाताओं से अपनी पार्टी के पक्ष में वोट डालने की अपील की। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को हिमाचल प्रदेश में ताबड़तोड़ दो चुनावी रैलियों को संबोधित किया था। हिमाचल प्रदेश के 68 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 413 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

इस चुनाव में इस बार 55,07,261 मतदाता वोट डाल सकेंगे। हिमाचल प्रदेश में इस बार जहां भाजपा पिछले 5 सालों के विकास का दावा कर रही है। साथ ही साथ भाजपा यह भी बताने की कोशिश कर रही है कि हिमाचल प्रदेश में डबल इंजन की सरकार ही इसे विकास के रास्ते पर ले जा सकती है। वहीं, कांग्रेस बेरोजगारी और पुरानी पेंशन स्कीम को लेकर भाजपा को घेरने की कोशिश कर रही है।

नीरव मोदी के प्रत्यर्पण के फैसले का भारत ने किया स्वागत

• जालंधर ब्रीज.लंदन

भारत ने गुरुवार को भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी की उसके प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील को खारिज करने के यूनाइटेड किंगडम उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया। मोदी बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में वांछित है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि सरकार 'नीरव मोदी को जल्द से जल्द भारत लाना चाहती है'। अदालत ने बुधवार को मोदी की अपील को खारिज कर दिया, जिससे भारतीय एजेंसियां उन्हें धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों का सामना करने के लिए देश में लाने के एक कदम और करीब आ गईं।

यूके हाई कोर्ट द्वारा नीरव मोदी के प्रत्यर्पण आदेश पर मामले पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारत आर्थिक भगोड़ों के प्रत्यर्पण की जोरदार कोशिश कर रहा है ताकि उन्हें भारत में न्याय का सामना करना पड़े। हम यूके हाई कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं। हम उसे जल्द से जल्द भारत लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हमने एक अन्य अदालत को संजय भंडारी को भारत को प्रत्यर्पित करने के पक्ष में फैसला देते हुए देखा है।

10,000 रुपए की रिश्वत लेने के दोष अधीन सरपंच के विरुद्ध मामला दर्ज

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो द्वारा राज्य में भ्रष्टाचार के विरुद्ध शुरु की गई मुहिम के दौरान पुलिस कर्मचारियों के नाम पर रिश्वत लेने के दोष अधीन सरपंच हरजीत सिंह गुल्लू, गाँव मट्टरां, एस.ए.एस. नगर के विरुद्ध रिश्वतखोरी का मामला दर्ज किया है। विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त सरपंच के विरुद्ध थाना डेराबस्सी के गाँव बरौली की निवासी सरबजीत कौर द्वारा मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार विरोधी हेल्पलाइन पर दर्ज करवाई गई शिकायत पर कार्यवाही करते हुए यह मामला दर्ज किया गया है। सबूतों की जांच के दौरान पता लगा कि उक्त सरपंच ने शिकायतकर्ता से एस.ए.एस. नगर के सोहाना पुलिस थाने में पड़ताल के अधीन एक शिकायत के मामले में इन्साफ दिलाने को एक पुलिस कर्मचारी को 10,000 रुपए रिश्वत के रूप में देने हेतु लिए हैं।

प्रवक्ता ने आगे बताया कि पड़ताल के दौरान दोष सही पाए गए और उक्त सरपंच के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7-ए के अधीन एफ.आई. आर नं. 23 तारीख़ 9 नवंबर को विजीलैंस ब्यूरो उडन दस्ता-1 पुलिस थाना, एस.ए.एस. नगर में भ्रष्टाचार का मुकदमा दर्ज किया गया है।

पराली के धुंएं से सांस रोगियों समेत लोगों के आंखों व गले में इंफेक्शन

पंजाब में सर्दी की दस्तक, धुंध में धुंआ मिलने से विजिबिलिटी कम, राहगीरों को परेशानी

• जालंधर ब्रीज. विशेष रिपोर्टर

पंजाब में अब मौसम करवट ले रहा है। सर्दी ने दस्तक दे दी है। गुरुपर्व पर घनी धुंध ने लुधियाना व अन्य कई शहरों को अपनी आगोश में ले लिया था। इसके चलते वाहन चालकों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। नवंबर माह में अचानक आई धुंध ने सबको हैरान कर दिया। सुबह सात बजे तक तो धुंध और धुंए के मिलने की वजह से विजिबिलिटी जीरो थी, लेकिन इसके बाद विजिबिलिटी धीरे-धीरे बढ़ गई। लुधियाना के अलावा भी पंजाब के कई शहरों में घना कोहरा छा गया। धुंध के दौरान पारा 16 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआइ) 259 के स्तर पर था। वहीं हवा भी बंद थी। धुंध के बीच लोगों को घुटन महसूस हो रही थी। राज्य में पराली जलाने के बाद कई शहरों का एक्यूआइ बेहद खराब श्रेणी में है। औद्योगिक नगरी लुधियाना में सबसे ज्यादा प्रदूषण पाया गया।

मौसम विभाग के अनुसार अक्टूबर और नवंबर सामान्य तौर पर ड्राई ही रहता है। पूर्व के वर्षों में ऐसा बहुत कम बार देखने को मिला होगा कि इन दोनों महीनों में बारिश हुई हो। जम्मू कश्मीर व हिमाचल के ऊपरी इलाकों में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के सक्रिय होने से मैदानी इलाकों पर असर पड़ेगा। कुछ जिलों में बादल छाए रहने और गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान लगाया गया था और पठानकोट में बुधवार को मौसम का मिजाज एकदम बदल गया और सुबह हल्की धूप खिली, दोपहर में रिमझिम बारिश और 10 से 15 किलोमीटर की रफ्तार से ठंडी हवा भी चली। वहीं रात 9 बजे के करीब आधा घंटा बारिश हुई जिसकी वजह से पठानकोट के अलावा आसपास के इलाकों में ठंड बढ़ गई।

अमृतसर-जालंधर में भी बढ़ी सर्दी : लुधियाना के अलावा अमृतसर और जालंधर में भी खुले इलाकों और नेशनल हाइवे पर धुंध छाने लगी है। इन दिनों जालंधर में सुबह छह बजे न्यूनतम तापमान 10-15 डिग्री तक दर्ज किया जा रहा है। इसके अलावा कई शहरों में धुंध की चादर देखने को मिल रही है।

आगे कैसा रहेगा मौसम : मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में इसी तरह धुंध पड़ने के आसार बन रहे हैं। पहाड़ी इलाकों में हिमपात के कारण तापमान में और गिरावट दर्ज की जाएगी।

युवाओं को सुसाइड के लिए उकसा रहा है सोशल मीडिया!, पैरेंट्स रखें ध्यान

• जालंधर ब्रीज. नॉलेज

साइकोलॉजिस्ट के अनुसार सोशल मीडिया, युवाओं में आत्महत्या की प्रवृत्ति को बढ़ाने में योगदान कर रहा है। पिछले कुछ सालों में 18 से कम उम्र के बच्चों द्वारा

सोशल मीडिया की लत का लक्षण पहचानें | डायग्नोस्टिक एंड स्टैटिस्टिकल मैनुअल ऑफ मेंटल डिसऑर्डर (डीएसएम) -5 में बताये गए लत के 11 मानदंडों का उपयोग करके लत को हल्के से गंभीर तक मापा जाता है। जो लोग दो या उससे कम मानदंडों को पूरा करते हैं उन्हें हल्के (आदी नहीं) के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा और छह या ज्यादा मानदंडों को पूरा करने वालों को सब्सटांस यूज डिसऑर्डर से पीड़ित माना जाता है।

आज के समय में एक-दूसरे से जुड़े रहने के लिए लोग सोशल मीडिया पर बहुत अधिक निर्भर हो गए हैं। बात अगर युवाओं की करें तो सोशल मीडिया की लत उनके लिए कहीं न कहीं एक खतरा बनकर उभर रही है। साइकोलॉजिस्ट के अनुसार सोशल मीडिया, युवाओं में आत्महत्या की प्रवृत्ति को बढ़ाने में योगदान कर रहा है। पिछले कुछ सालों में 18 से कम उम्र के बच्चों द्वारा सोशल मीडिया का इस्तेमाल काफी बढ़ा है। ऐसा भी माना जाता है कि सोशल मीडिया की वजह से उनमे डिप्रेशन और आत्महत्या करने की भावना भी बढ़ी है। पिछले दशक में भारत में जिस तरह से बच्चों द्वारा सोशल मीडिया का इस्तेमाल बढ़ा है उसी तरह से उनमे आत्महत्या की दर भी बढ़ी है।

डिप्रेशन को युवाओं तथा बच्चों में होने वाली प्रमुख मानसिक समस्याओं में से एक माना जाता है। अगर डिप्रेशन पर ध्यान नहीं दिया गया या इसे दरकिनार किया गया तो इससे बच्चे के मन में आत्महत्या की भावना जागृत हो सकती है और वह इस जघन्य अपराध भी कर सकता है। इसलिए यह कहा जा सकता है जितना सोशल मीडिया का इस्तेमाल बढ़ा है उतनी ही आत्महत्या की दर भी बढ़ी है।

इसके अलावा गैर आत्महत्या वाली चोटे भी युवाओं में 14% से 21% के बीच बढ़ी हैं। तथ्यों के अनुसार खुद को नुकसान पहुंचाने वाले बच्चे ऑनलाइन सोशल नेटवर्क पर उन युवाओं की तुलना में ज्यादा सक्रिय रहते हैं जो खुद को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। ऑनलाइन सोशल नेटवर्किंग की भूमिका किशोरों में सेल्फ हार्म (आत्म-नुकसान) और आत्महत्या जैसे नकारात्मक प्रभावों को जानने के लिए एक अध्ययन किया गया।

रिसर्च में पता चला कि ऑनलाइन सोशल नेटवर्किंग से यूजर को खुद को नुकसान पहुंचाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने वाले नकारात्मक संदेश मिलने, अन्य लोगों के साथ हिंसक व्यवहार करने और ऐसे वीडियो शेयर करने जिसमे खुद को नुकसान पहुंचाने जैसा कंटेंट हो आदि से सेल्फ हार्म और सुसाइड की भावना में वृद्धि हुई है। सोशल नेटवर्किंग वेबसाइटों पर ज्यादा समय बिताने से साइकोलॉजिकल समस्या, मानसिक स्वास्थ्य ख़राब होना, खुद का सही से ख्याल न रख पाना और आत्महत्या के ट्रेंड में बढ़ोत्तरी होती है।

ऑनलाइन सोशल नेटवर्किंग पर बिताया गया ज्यादा समय कमजोर किशोरों में खुद को नुकसान पहुंचाने के व्यवहार और आत्महत्या के विचार को बढ़ावा देता है। ऐसे में अपने बच्चों को सोशल मीडिया का उपयोग करते हुए किस तरह से सुरक्षित रखा जा सकता है।

बच्चों को सोशल मीडिया का उपयोग करते हुए इस तरह रखें सुरक्षित

- पैरेंट्स सबसे पहले यह जानने कि कोशिश करें कि उनका बच्चा कौन सा प्रोग्राम या ऐप का इस्तेमाल कर रहा है। कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उम्र से सम्बंधित पाबंदियां होती हैं लेकिन बच्चे वहां पर भी पहुंच जाते हैं। ऐसे में यह पता होना बेहद जरूरी है कि आपका बच्चा इंटरनेट पर क्या खोज रहा है।
- अपने बच्चे की ऑनलाइन लाइफ के बारे में दिलचस्पी दिखाएं और उनसे सवाल जवाब करें।
- अगर संभव हो तो टैबलेट और कंप्यूटर को घर के कॉमन एरिया वाली जगह पर रखवाएं जहां आप अपने बच्चे को इस्तेमाल करते हुए देख सकें।
- ऐसे प्रोग्राम को अपनाएं जो वेबसाइट को ब्लॉक कर सकते हों, टाइम लिमिट लगा सकते हों आदि। आपका बच्चा किन किन वेबसाइट पर जा रहा है उस पर नज़र रखें, और वह ऑनलाइन किससे बात कर रहा है इस पर भी नज़र रखें।
- आपका बच्चा जो भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म चला रहा हो उसे फालो करें। इसके बाद उन्हें बताएं कि आप उनकी सोशल लाइफ पर नज़र रख रहे हैं ताकि वे सुरक्षित रह सकें। कुछ बच्चे अपने मां-बाप को गुमराह करने के लिए फेक एकाउंट भी बना सकते हैं।
- उनसे उन लोगों के बारे में पूछें जिनसे वे ऑनलाइन चैट करते हैं। आपके द्वारा दिलचस्पी दिखाने से उन्हें इस बारे में बात करने में सहज महसूस करने में मदद मिलेगी।
- ऑनलाइन दोस्ती को ऑनलाइन दुनिया में ही रखने के महत्व के बारे में उन्हें समझाएं। जब भी आपका बच्चा किसी ऑनलाइन मित्र से व्यक्तिगत रूप से मिलना चाहता है, तो उसे किसी पब्लिक प्लेस में किसी वयस्क के साथ ही मिलने दें।
- बच्चों को समझाएं कि सोशल मीडिया पर क्या पोस्ट करना सही है और क्या गलत है। ऑनलाइन पोस्ट हमेशा के लिए ऑनलाइन रहती हैं। आपके बच्चे को ऐसा कुछ भी पोस्ट नहीं करना चाहिए जो वह नहीं चाहेगा कि माता-पिता या शिक्षक उसे देखें या पढ़ें।
- लोग यह नियंत्रित नहीं कर सकते हैं कि दूसरे उनके बारे में क्या पोस्ट करते हैं। उन्हें समझाएं कि जो फोटो या जानकारी सोशल मीडिया पर रहती है वह सालों बाद उन्हें परेशान कर सकती है।
- उन्हें समझाएं कि ऑटोकरेक्ट से कभी-कभी किसी की भावना आहत हो सकती है और अफवाह भी फ़ैल सकती है।
- कुछ बच्चे डेटिंग साइट पर डेट पर जाने या सेक्सुअल जरुरत को पूरा करने के लिए पार्टनर ढूढ़ सकते हैं। उन्हें सुरक्षित और सही रिश्ता ढूढ़ने के बारे में समझाएं।

FASHION+

साड़ी हो या फिर लहंगा, हर आउटफिट पर जंचते हैं ये कलरफुल सनग्लासेस

दिन के समय कहीं भी जाने से पहले ज्यादातर लोग अपने सनग्लासेस पहनते हैं। ये आंखों के लिए तो अच्छे होते ही हैं बल्की ये लुक को भी काफी हद तक खूबसूरत बना देते हैं।

सनग्लासेस आपकी आंखों को प्रोटेक्ट करने के साथ ही लुक को काफी हद तक आकर्षित बना देते हैं। डे वेडिंग में लुक को खास बनाने के लिए आप कुछ बेहद खूबसूरत सनग्लासेस को चुन सकते हैं। अगर आप एथनिक लुक कैरी करने के बाद ये सोचते हैं कि आखिर कौन-सा सनग्लास अच्छा लग रहा हैं तो यहां हम कुछ धूप के चश्मों के बारे में बता रहे हैं जिससे आपको उन्हें सिलेक्ट करना आसान हो जाएगा।

हर आउटफिट पर जंचते हैं पिंक शेड

ओवरसाइज्ड सन ग्लासेस एक क्लासिक लुक है जो किसी भी आउटफिट के साथ आकर्षित लगता है। गुलाबी रंग के शेड्स आपके एथनिक लुक को आकर्षक बनाने का काम करते हैं। इस तरह के शेड्स आपके स्टाइल को एक लेवल ऊपर बढ़ा देते हैं।

रेट्रो लुक को सूट करेगा रेड

लाल रंग के धूप के चश्मा आकर्षक होते हैं। किसी का ध्यान अपनी ओर खींचने के लिए इस तरह के शेड्स को लगाया जा सकता है। हलांकि, अगर आप पहले से ही लाल रंग के कपड़े पहने हुए हैं, तो ये थोड़ा सा फंकी लगेगा। वहीं अगर आप एक मोनोटोन लुक कैरी कर रहे हैं, तो ये बेहतरीन कॉन्ट्रास्ट टच के रूप में काम करेंगे।

खूब ट्रेंड में हैं पीले शेड्स

इन दिनों पीला रंग काफी ट्रेंड में रहा है। स्क्वेयर शेप में आने वाला ये धूप का चश्मा एक क्लासिक फ्रेम है जो लगभग हर तरह के चेहरे पर सूट करता है। किसी भी डे वेडिंग में पीले रंग का चश्मा आपके लुक को बदल देगा।

ब्लू रंग लगता है खास

अगर आप फंकी, रंगीन चश्मे पसंद करते हैं। तो शार्प फ्रेम का में नीले लेंस को चुन सकते हैं। फिरोजी या फिर रॉयल ब्लू रंग में आने वाले चश्मे चेहरे को रोशन कर देते हैं। अपने एथनिक आउटफिट में लुक को आकर्षक बनाने के लिए आप इस तरह के ग्लासेस को पहन सकते हैं।

गोल्डन फ्रेम नहीं होते ट्रेंड से बाहर

यह आपके एथनिक वियर में पॉप रंग जोड़ने का एक और अच्छा तरीका है। आप एक ऐसे धूप के चश्मे को चुन सकते हैं जिसका फ्रेम चमकदार गोल्डन रंग का हो। वहीं गोल फ्रेम कभी भी ट्रेंड से बाहर नहीं होते हैं, इसलिए आप इस तरह के ग्लासेस को खरीद सकते हैं।

सर्दियों के मौसम में बहुत टेस्टी लगती है लहसुन की कढ़ी

आज आपको बताने जा रहे हैं कढ़ी की एक ऐसी रेसिपी के बारे में, जिसे सर्दियों में लोग खाना बेहद पसंद करते हैं। जी हां और इस कढ़ी का नाम है लहसुन की कढ़ी।

कढ़ी चावल का स्वाद ज्यादातर लोगों को पसंद होता है। आपने भी अपनी रसोई में कढ़ी को कई तरह से बनाकर खाया होगा। लेकिन आज आपको बताने जा रहे हैं कढ़ी की एक ऐसी रेसिपी के बारे में, जिसे सर्दियों में लोग खाना बेहद पसंद करते हैं। जी हां और इस कढ़ी का नाम है लहसुन की कढ़ी। ये जायकेदार कढ़ी स्वाद में बेहद कमाल होती है, जिसे हर उम्र के लोग खाना बहुत पसंद करते हैं। तो आइए बिना देर किए जान लेते हैं क्या है इसे बनाने का आसान तरीका।

लहसुन की कढ़ी बनाने के लिए सामग्री

- √ 1 कप दही
- √ 4 चम्मच बेसन
- √ आधा चम्मच जीरा
- √ एक चौथाई चम्मच मेथी दाने
- √ 5-6 चम्मच बारीक कटी लहसुन
- √ एक चम्मच ड्राई गार्लिक
- √ आधा चम्मच अदरक
- √ एक चौथाई चम्मच शक्कर
- √ एक चौथाई चम्मच हींग
- √ 3 लौंग
- √ 1 तेजपात पत्ता
- √ 4-5 करी पत्ते
- √ 1 साबुत लाल मिर्च
- √ 2 बारीक कटी हरी मिर्ची
- √ 1 चम्मच देसी घी
- √ आधा कप बारीक कटा हरा धनिया

लहसुन की कढ़ी बनाने का आसान तरीका

लहसुन की कढ़ी बनाने के लिए सबसे पहले मिक्सी में लहसुन, अदरक, हरी मिर्च और हरा धनिया डालकर पीस लें। अब एक बर्तन में दही के साथ बेसन मिक्स करके उसका पेस्ट तैयार कर लें। इसमें लहसुन-अदरक और मिर्ची वाला पेस्ट डाल कर अच्छे से मिक्स करें। अब एक कढ़ाही में बेसन वाला मिश्रण डालकर उबलने दें, अब इसमें मेथी दाने डालकर 10 मिनट तक उबाल लें। ऐसा करते समय बीच-बीच में कढ़ी को लगातार चलाते रहें।

इसके बाद एक पैन या कढ़ाही में देसी घी डालकर गर्म कर लें। गर्म घी में लौंग, तेजपत्ता, हींग, जीरा, साबुत लाल मिर्च, करी पत्ता और लहसुन डालकर भून लें। इसमें नमक और चीनी मिला लें। 3-4 मिनट तक बेसन-लहसुन का मिश्रण उबालें। आपकी टेस्टी लहुन कढ़ी बनकर तैयार है। आप इसे चावल या रोटी के साथ सर्व कर सकते हैं।

होटल के कमरे में इस खास वजह से बिछाई जाती है सफेद चादर

KNOWLEDGE+

आप चाहे ट्रेन में ट्रैवल कर रहे हो या फिर होटल में करना हो स्टे, हर जगह एक चीज कॉमन पाई जाती है और वो है वहां बिछी चादरों का सफेद रंग। लेकिन क्या आप इसके पीछे की असल वजह जानते हैं। सफेद रंग सबसे जल्दी गंदा होता है बावजूद इसके ट्रेन के बेड रोल से लेकर होटल के कमरों में बिछाई जाने वाली चादरों का रंग सफेद क्यों रखा जाता है। आइए जानते हैं इसके पीछे छिपे दिलचस्प कारण।

ब्लीचिंग करना आसान : सफेद बेडशीट पर गलती से अगर कोई दाग भी लग जाता है तो उसे ब्लीच करना आसान होता है। होटल में सफेद बेडशीट को साफ करने के लिए अक्सर ब्लीच का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसा करने से कपड़े पर मौजूद सभी कीटाणु भी खत्म हो जाते हैं।

कलर फेड होने की नहीं टेंशन : होटल की चादरों को साफ करने के लिए उन्हें हेवी ब्लीच किया जाता है। सफेद चादर की जगह अगर रंगीन चादरें साफ करने के लिए हेवी ब्लीच की जाएंगी तो उनका कलर फेड हो सकता है। जो दिखने में खराब लगता है। इसीलिए होटल की चादरों को सफेद रखा जाता है ।

बदबू से बचाने के लिए : होटलों की चादरों को बदबू और सीलन से बचाने के लिए इन्हें क्लोरीन से ब्लीच करते हैं।

स्ट्रेस को रखता है दूर : अक्सर लोग छुट्टियों में अपने स्ट्रेस को दूर करने के लिए घूमने जाते हैं। ऐसे में होटल के कमरे में बिछी सफेद बेडशीट उन्हें अपनी तरफ बेहद आकर्षित करती है। मनोविशेषज्ञों की मानें तो होटल का कमरा जितना साफ होगा गेस्ट उतना ही अच्छा महसूस करता है।

सुकून : माना जाता है सफेद रंग आंखों को सुकून देता है। जितना अच्छा सफेद रंग को देखकर लगता है उतनी शांति किसी और रंग को देखकर नहीं मिलती। छुट्टियां बिताने आए गेस्ट को स्ट्रेस फ्री रखने के लिए भी सफेद चादर बिछाई जाती है। कमरे में रहते हुए आपको शांति और पॉजिटिव वाइब्स आएंगी। इससे आपके दिमाग को बेहद आराम और खुशी भी मिलती है।

गंदा : बेडशीट का रंग सफेद होने की वजह से इसके गंदे होते ही यह होटल कर्मचारियों की नजरों में भी जल्दी आ जाती है। जिससे उन्हें उसे बदलने में आसानी रहती है।

सफेद बेडशीट का ट्रेंड कब शुरू हुआ : 1990 के दशक से पहले, होटल में रंगीन चादरें इस्तेमाल की जाती थीं। उनका रखरखाव करना आसान होता था क्योंकि उसमें लगे दाग छुप जाते थे। जिसके बाद, वेस्टिन के होटल डिजाइनरों ने एक रिसर्च की, जिसमें कहा गया कि गेस्ट के लिए एक लक्जरी बेड का मतलब क्या होता है। जिसके बाद गेस्ट की हाइजीन क ध्यान में रखकर सफेद बेडशीट का ट्रेंड चल पड़ा।

एनीमिया से इम्यूनिटी बूस्ट करने तक, रोजाना एलोवेरा जूस पीने से मिलते हैं गजब के फायदे

HEALTH+

एलोवेरा जेल और इसका जूस दोनों ही काफी ज्यादा फायदेमंद होते हैं। हेल्थ से लेकर ब्यूटी प्रॉब्लम को सुलझाने में ये काफी फायदेमंद हैं। खाली पेट एलोवेरा जूस पीना वजन कम करने, आपके शरीर में पोषक तत्वों के अवशोषण में सुधार और मल त्याग को आसान बनाने का अच्छा तरीका है। एलोवेरा जूस दांतों के स्वास्थ्य को बनाए रखने में भी मदद कर सकता है। यहां जानिए एलोवेरा जूस के गजब के फायदे-

पोषक तत्व का भंडार है एलोवेरा जूस : एलोवेरा विटामिन, मिनरल्स, एंजाइम, सैपोनिन और अमीनो एसिड से भरपूर होता है। यह विटामिन ए, सी, ई, फोलिक एसिड, कोलीन का भंडार है। ये पाचन, त्वचा, दांत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद है। इसमें कैल्शियम, क्रोमियम, सेलेनियम, मैग्नीशियम, मैंगनीज, पोटेशियम, सोडियम और जस्ता भी है।

विटामिन और मिनरल्स से भरपूर : एलोवेरा जूस विटामिन, मिनरल और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। शुरुआत में सिर्फ एलोवेरा जूस पीने से स्टार्ट करें और फिर बाद में इसे दूसरी चीजें जैसे गिलोए, आंवला या करेला के साथ मिक्स करें।

पाचन में मिलेगी मदद : एलोवेरा जूस रोजाना पीने से खराब पाचन, कब्ज, एसिडिटी और गैस जैसी कई पाचन से जुड़ी परेशानियों से छुटकारा दिलाने में मदद कर सकता है। यह भूख बढ़ाने और वजन बढ़ने पर नियंत्रण रखने में भी फायदेमंद है।

टॉक्सिन होते हैं बाहर : एलोवेरा जूस पीने से शरीर में मौजूद टॉक्सिन से छुटकारा मिलता है। इसे सुबह-सुबह पीने से आपको पाचन संबंधी समस्याओं को ठीक करने से लेकर सिस्टम की सफाई तक कई तरह से मदद मिलेगी।

एनीमिया में मददगार : एलोवेरा जूस का इस्तेमाल लंबे समय से आयुर्वेदिक दवाई बनाने के लिए किया जाता रहा है। ये पाचन और लिवर संबंधी परेशानी, एनीमिया, पीलिया और पित्त नली, पित्ताशय से संबंधित बीमारियों को ठीक करने में इस्तेमाल किया जाता है।

हार्मोनल समस्याएं होती हैं संतुलित : इस जूस का इस्तेमाल अक्सर कई दूसरे हर्बल टॉनिक में किया जाता है जो हार्मोनल मुद्दों के साथ-साथ पैंक्रियाज और प्लीहा संबंधी परेशानियों को ठीक करने में जरूरी हैं।

इम्यूनिटी होगी बूस्ट : एलोवेरा जूस के हेल्थ बेनिफिट्स शरीर की इम्यूनिटी को भी बूस्ट करते हैं। खासकर जब आंवला, तुलसी और गिलोय जूस के साथ मिलाकर इसे पीया जाए।

ओरल हेल्थ के लिए हो सकता है बेहतरीन : रिपोर्ट्स की मानें तो एलोवेरा जूस आपके मसूड़ों और दांतों के लिए अच्छा हो सकता है। दांत में दर्द या मसूड़ों में सूजन से निपटने के लिए ये अच्छा है।

हो सकते हैं ये साइड इफेक्ट्स

√ एलोवेरा जेल से कुछ लोगों को एलर्जी हो सकती है, जिससे स्किन पर निशान, आंखों में रेडनेस, चकत्ते, जलन और सूजन जैसी प्रॉब्लम्स हो सकती हैं।

√ एलोवेरा जूस पोटेशियम के लेवल को कम कर सकता है, जिससे अनियमित दिल की धड़कन, कमजोरी और थकान हो सकती है। बुजुर्ग और बीमार लोग डॉक्टर की सलाह पर ही इसे पीएं।

√ एलोवेरा जूस ब्लड शुगर लेवल को कम कर सकता है। इससे डायबिटीज के मरीजों में इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन की संभावना होती है। ऐसे में डायबिटीज पेशेंट को एलोवेरा जूस पीने से पहले डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

53वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में 15 फिल्में प्रतिष्ठित स्वर्ण मयूर हासिल करने की दौड़ में

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

53वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) में 15 फिल्में प्रतिष्ठित स्वर्ण मयूर हासिल करने की दौड़ में हैं। महोत्सव का आयोजन गोवा में 20 नवंबर से 28 नवंबर, 2022 तक होगा। मन को मोह लेने वाली फिल्मों में 12 अंतर्राष्ट्रीय और तीन भारतीय फिल्में शामिल हैं, जो सौंदर्यबोध से ओतप्रोत हैं और कला के माध्यम से कोई न कोई संदेश देती हैं।

तीसरे इफ्फी में पहली बार स्वर्ण मयूर पुरस्कार दिया गया था। उसके बाद से यह पुरस्कार एशिया में सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार माना जाने लगा है। निर्णायक-मंडल के सामने इस वर्ष के विजेता का चुनाव करने का लगभग असंभव सा काम था। उन्हें इजराइली लेखक और फिल्म निर्देशक नदव लैपिड, अमेरिकी निर्माता जिनको गोटोह, फ्रांसीसी फिल्म-संपादक पास्कल शावान्स, फ्रांसीसी वृतचित्र निर्माता, फिल्म आलोचक और पत्रकार ज़ावियेर आगुलो बार्तूरेन तथा भारत के अपने फिल्म निर्देशक सुदीप्तो सेन जैसे महारथियों में से चुनाव करना था।

इस बार की कठिन प्रतिस्पर्धा में ये फिल्में शामिल हैं

1. परफेक्ट नंबर (2022)

2. रेड शूज़ (2022)

3. ए माइनर (2022)

4. नो एन्ड (2021)

5. मेडीटिरेनियन फीवर (2022)

6. व्हेन दी वेव्ज आर गॉन (2022)

7. आई हैव इलेक्ट्रिक ड्रीम्स (2022)

8. कोल्ड एज़ मार्बल (2022)

9. द लाइन (2022)

10. सेवेन डॉग्स (2021)

11. मारियाः द ओशन एंजेल (2022)

12. द कश्मीर फाइल्स (2022

13. नेज़ह (2022)

14. द स्टोरी-टेलर (2022)

15. कुरांगू पेडल (2022)

यूक्रेन युद्ध हमारे लिए बड़ा मुद्दा, बातचीत के रास्ते पर लौटें दोनों देश, रूसी विदेश मंत्री से मिलकर बोले जयशंकर

जयशंकर ने मॉस्को में रूस के विदेश मंत्री लावरोव के साथ बैठक में उद्घाटन वक्तव्य में कहा

• **जालंधर ब्रीज.** वर्ल्ड न्यूज

यूक्रेन युद्ध के बाद पहली बार रूस की यात्रा पर गए भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि यूक्रेन संघर्ष भारत के लिए एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इस संघर्ष के बीच भारत और रूस की सरकारों के बीच एक मजबूत संपर्क बना हुआ है। जयशंकर ने रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ बैठक से पहले कहा, "विभिन्न स्तरों पर हमारी सरकारों के मध्य मजबूत और सतत संपर्क हैं।" बता दें कि जयशंकर ऐसे समय में रूसी दौरे पर हैं जब रूस का यूक्रेन के साथ संघर्ष कई महीनों से जारी है। जयशंकर ने यूक्रेन-रूस युद्ध पर कहा कि "भारत दृढ़ता से इस बात को दोहराता है कि दोनों देशों को बातचीत के रास्ते पर लौटना चाहिए।"

यहां मास्को में विदेश मंत्री जयशंकर सर्गेई लावरोव से मिलने के बाद जशंकर ने इशारों इशारों में कहा कि इस बैठक के अलग मायने नहीं निकाले जाने चाहिए। जयशंकर ने मॉस्को में रूस के विदेश मंत्री लावरोव के साथ बैठक में उद्घाटन वक्तव्य में कहा, "हमारी बैठक हमारे संबंधों का आकलन करने और वैश्विक परिस्थितियों पर एक दूसरे के नजरिए को समझने के लिए है। हमारी वार्ता में समग्र वैश्विक स्थिति और विशिष्ट क्षेत्रीय चिंताओं पर ध्यान दिया जाएगा।" बता दें कि पिछले कुछ महीनों में, कई पश्चिमी देशों द्वारा दबाव बनाए जाने के

बावजूद भारत ने रूस से रियायती कच्चे तेल का आयात बढ़ाया है।

भारतीय विदेश मंत्री ने कहा, "जहां तक द्विपक्षीय संबंधों की बात है, हमारा उद्देश्य एक समकालीन, संतुलित, परस्पर लाभकारी और दीर्घकालिक साझेदारी के निर्माण का है।" जयशंकर ने कहा कि यूक्रेन संघर्ष उनके लिए शीर्ष मुद्दा है। उन्होंने कहा, "कोविड, व्यापार संबंधी मुश्किलों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। लेकिन अब हम यूक्रेन संघर्ष के परिणामों को इस मामले में शीर्ष पर देख रहे हैं।" रूसी समकक्ष के साथ बैठक में जयशंकर ने कच्चे तेल, कोरोबार समेत कई मुद्दों पर बातचीत की। जयशंकर ने आगे कहा, "आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन के हमेशा बने रहने वाले मुद्दे भी हैं जिनका प्रगति तथा समृद्धि पर नकारात्मक असर होता है।

जयशंकर ने कहा, "भारत, रूस तेजी से बहुध्रुवीय और पुन: संतुलित होती दुनिया में एक दूसरे के साथ साझेदारी कर रहे हैं। हम दो ऐसी सरकारें हैं जिनके बीच अत्यंत स्थायी और समय की कसौटी पर खरे संबंध रहे हैं।"

फरवरी में यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद से जयशंकर और लावरोव चार बार मिल चुके हैं। हालांकि रूस में ये पहली मुलाकात है। इससे पहले रूस के विदेश मंत्री ने अप्रैल में भारत का दौरा किया था। इस दौरे के दौरान लावरोव ने जयशंकर के साथ व्यापक बातचीत की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पिछले साल दिसंबर में भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आए थे।

जमालपुर डंपसाइट लुधियाना में पुराने कचरे का बायोरेमेडिएशन

• **जालंधर ब्रीज.** लुधियाना

इंदरबीर सिंह निजार, माननीय स्थानीय सरकार मंत्री, पंजाब ने लुधियाना में जमालपुर डंपसाइट पर पुराने कचरे के बायोरेमेडिएशन के चरण 1 का उद्घाटन किया। चरण 1 में बड़े पैमाने पर 5 लाख टन कचरे की सफाई होती है। यह प्रोजेक्ट स्मार्ट सिटी मिशन के तहत कवर किया गया है। यह परियोजना 22 महीने की अनुमानित समयावधि में कुल 27.17 करोड़ रुपये की लागत से क्रियान्वित की जाएगी।

उद्घाटन के मौके पर पूर्व विधायक दलजीत सिंह ग्रेवाल भोला, विधायक साहनेवाल हरदीप सिंह मुंडियन, विधायक उत्तर मदन लाल बग्गा और लुधियाना के मेयर बलकार सिंह संधू भी मौजूद थे. उपायुक्त लुधियाना सुरभि मलिक, आईएएस, आयुक्त, डॉ. शेना अग्रवाल आईएएस आयुक्त नगर निगम, आदित्य दचलवाल, आईएएस अपर आयुक्त और डॉ. अंकुर महिंद्रू, पीसीएस संयुक्त आयुक्त भी अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

ज़ीरो लैंड फिल तकनीक का उपयोग करके कचरे को अलग करने और निपटाने के लिए रोटरी ट्रॉमेल्स का उपयोग किया जाएगा। लैंडफिल साइट का कुल क्षेत्रफल 51.36 एकड़ है जो पूर्वी हिस्से में लुधियाना शहर के केंद्र से लगभग 15 किमी दूर है। साइट पर कुल संचित विरासत कचरा लगभग 25 लाख मीट्रिक टन है। नगर निगम लुधियाना ने वर्षों से इस संचित कचरे की साइट को साफ करने के लिए अब पुराने कचरे के बायोरेमेडिएशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। परियोजना के दूसरे चरण को स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत कवर किया गया है। चरण 2 के तहत 37 एकड़ क्षेत्र में 19.62 लाख टन कचरे का प्रसंस्करण किया जाएगा।

मुकेश अंबानी की जीवन भर की कमाई से अधिक एलन मस्क ने 10 महीने में गंवाई

• **जालंधर ब्रीज.** वर्ल्ड न्यूज

दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क इस साल अब तक दौलत गंवाने में भी नंबर वन पोजीशन पर पहुंच गए हैं। यह स्थान उन्होंने फेसबुक के मालिक मार्क जुकरबर्ग को पछाड़ कर हासिल की है। ट्विटर के नए मालिक बने एलन मस्क की दौलत में इस साल अब तक 90 .8 अरब डॉलर (करीब1,467,800 करोड़ रुपये) की सेंध लगी है। वहीं, मार्क जुकरबर्ग को 88.2 अरब डॉलर की।

मुकेश अंबानी की कुल दौलत से अधिक मस्क ने 10 महीने में गंवाई : भारत ही नहीं बल्कि एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी ने जितना पूरे जीवन काल में कमाया है, उससे कहीं अधिक एलन मस्क ने इस साल गंवा दिया है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक इस साल मस्क की संपत्ति 90.8 अरब डॉलर कम हुई है। जबकि, आज के डेट में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की कुल दौलत 90 अरब डॉलर ही है। इस साल दौलत गंवाने वालों में फेसबुक के मालिक मार्क जुकरबर्ग भी हैं। उन्होंने इस साल अब तक 88.2 अरब डॉलर की दौलत गंवाई है। तीसरे नंबर पर अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस हैं। इन्हें इस साल 79.5 अरब डॉलर का झटका लगा है।

बिलियन डॉलर को रुपये में ऐसे बदलें

एक बिलियन का मतलब होता है एक अरब यानी 100 करोड़। अभी मस्क के पास 179 बिलियन डॉलर की संपत्ति है। 179 बिलियन डॉल यानी 179 अरब डॉलर। इसे करोड़ में बदलें तो 179*100=17900 करोड़ डॉलर हुआ। अब इसे 82 रुपये प्रति डॉलर के ही हिसाब से रुपये में बदले तो 17900 *82=1,467,800 करोड़ रुपये हुए।

क्यों घट रही अमीरों की दौलत : दरअसल एलन मस्क हों या मार्क जुकरबर्ग या फिर जेफ बेजोस। इनकी संपत्ति का बड़ा हिस्सा इनकी कंपनियों के शेयर से आता है। एलन मस्क की कंपनी टेस्ला का शेयर इस साल अब तक 52 फीसद से अधिक टूट चुका है। वहीं, मार्क जुकरबर्ग की कंपनी मेटा के शेयर इस साल अब तक 71 फीसद से अधिक लुढ़क चुके हैं। इन स्टॉक्स में गिरावट का असर इनकी दौलत पर भी पड़ रहा है।

एलन मस्क ने टेस्ला में अपने करीब चार अरब डॉलर के शेयर बेचे : टेस्ला के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं ट्विटर के नए मालिक एलन मस्क ने टेस्ला में अपने करीब चार अरब डॉलर के शेयर बेच दिए हैं। शेयर बाजारों को दी गई सूचना में यह बताया गया। इसके मुताबिक मस्क ने इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला के अपने 1.95 करोड़ शेयरों की बिक्री चार नवंबर से आठ नवंबर के बीच की। इससे पहले अगस्त में उन्होंने टेस्ला में अपने सात अरब डॉलर के शेयर बेचे थे। कुल मिलाकर मस्क अप्रैल से अब तक टेस्ला में अपने 19 अरब डॉलर से अधिक के शेयर बेच चुके हैं। इन शेयर की बिक्री उन्होंने ट्विटर के साथ हुए 44 अरब डॉलर के सौदे को पूरा करने के लिए शुरू की थी।

कमाई में अडानी अव्वल : अरबपतियों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर काबिज अडानी ग्रुप के चेयर मैन गौतम अडानी कमाई में नबर वन हैं। इस साल अब तक उनकी संपत्ति में 59.5 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। उनके पास 136 अरब डॉलर की संपत्ति है। दूसरे नंबर पर जेफ यास हैं। इन्होंने अपनी संपत्ति में इस साल 29.1 अरब डॉलर का इजाफा किया है। इनके पास 32.9 अरब डॉलर की संपत्ति है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 31वें नंबर पर हैं।

भारत की जी-20 अध्यक्षता : उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक बहुत ही बड़ा पल

भारत एक महीने से भी कम वक्त में, 1 दिसंबर को जी-20 की अध्यक्षता लेने जा रहा है। इस दौरान वो एक बहुत ही ख़ास स्थिति में है जहां वो दुनिया भर के विकासशील देशों की चिंताओं और वरीयताओं के हक़ में आवाज़ उठा सकता है। इंडोनेशिया-भारत-ब्राजील की जो जी-20 वाली तिकड़ी है, उसके केंद्र में भारत खड़ा है। इस प्रतिष्ठित अंतर-सरकारी मंच के 14 साल के इतिहास में उभरती अर्थव्यवस्थाओं के नेतृत्व में अपनी तरह की ये पहली तिकड़ी है। तकरीबन 1.4 अरब की आबादी के साथ, दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी बढ़ती अर्थव्यवस्था के तौर पर भारत के पास गजब का आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक रसूख है, जिससे वो ग्लोबल नैरेटिव का प्रभावी ढंग से मार्गदर्शन कर सकता है ताकि आज की वास्तविकताओं का बेहतर ढंग से प्रतिनिधित्व कर सके। जी-20 का पल भारत के लिए एक ऐसा मौका है जहां वो एक अंतरराष्ट्रीय एजेंडा निर्मित कर सकता है और उसे आगे बढ़ा सकता है। ये एजेंडा है - 'लाइफ' (पर्यावरण के लिए लाइफस्टाइल), डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, महिला सशक्तिकरण और तकनीक आधारित विकास पर गहरा ध्यान देते हुए समावेशी, न्यायसंगत और स्थायी विकास को आगे की ओर रखना। हालांकि, तेजी से ध्रुवीकृत हो रही इस विश्व व्यवस्था में इन प्राथमिकताओं को उभारना कोई आसान काम नहीं है। जी-20 की भारतीय अध्यक्षता ऐसे समय पर आई है जब कुछ अन्य वैश्विक चिंताओं का ग्रहण लगा हुआ है।

ये चिंताएं रूस और यूक्रेन युद्ध के दुष्परिणामों और व्यापक आर्थिक मंदी से लेकर विकासशील देशों को प्रभावित करने वाले गंभीर ऋण संकट तक जाती हैं। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की पृष्ठभूमि में देखें तो कोविड-19 महामारी के कारण तात्कालिक आपदा शमन प्रयासों से दशकों की विकास संबंधी प्रगति में भारी बाधा पड़ी है। ऐसे में सतत विकास को लेकर भारत का विजन ही इस वक्त की जरूरत है, जो कि वैश्विक अंतर्संबंधों, साझा जिम्मेदारी और एक सर्कुलर इकोनॉमी में निहित है। इस मिशन को उभारने के लिए भारत जी-20 की अपनी अध्यक्षता की थीम के तौर पर 'वसुधैव कुटुम्बकम' या 'एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य' को अपना रहा है। एक प्राचीन संस्कृत पुस्तक महाउपनिषद् से ली गई ये फिलॉसफी 2014 में भारत की डिप्लोमैटिक विश्वदृष्टि में दिखती है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के अपने ऐतिहासिक संबोधन में "विश्व परिवार" की बात की थी। उस समय प्रधानमंत्री जी-4 गठबंधन के लिए एक बड़ी भूमिका का आह्वान कर रहे थे, और वे इस नीति को "निल बटे सन्नाटा" के तौर पर न देखने की जरूरत पर बल दे रहे थे। आज, ये संदेश पहले से कहीं ज्यादा प्रासंगिक बना हुआ है। क्योंकि मानवता आज तक के अपने सबसे बड़े अस्तित्व के खतरे से जूझ रही है। वो है - जलवायु परिवर्तन का विनाशकारी व्यापक असर। भारत को उम्मीद है कि अपनी थीम से वो दुनिया भर के नेताओं और वैश्विक नागरिकों को ये याद दिलाएगा कि

जालंधर ब्रीज. विचार

अमिताभ कांत

(लेखक भारत के जी-20 शेरपा हैं। वे पूर्व में नीति आयोग के सीईओ रहे हैं।)

सबसे छोटे सूक्ष्मजीव से लेकर सबसे बड़े सभ्यागत इकोसिस्टम तक, जीवन के तमाम रूप परस्पर जुड़े हुए हैं। और ये कि कैसे ये साझा भविष्य, एक बराबर जिम्मेदारी और व्यक्तिगत हस्तक्षेप को जन्म देता है। भारत का जी-20 वाला लोगो ऐसी ही फिलॉसफी की बात करता है। कमल, जो कि देश का राष्ट्रीय फूल है और विपत्तियों के बीच भी विकास का प्रतीक है, उसमें बैठी पृथ्वी की छवि, दरअसल जीवन को लेकर भारत की प्रो-प्लैनेट अप्रोच की बात करती है। इसके लोगो में केसरिया, सफेद और हरे रंग का शानदार मिश्रण दरअसल विविधता और समावेश के सिद्धांतों को दर्शाता है जो कि उसके सांस्कृतिक लोकाचार को रेखांकित करता है। भारत लंबे समय से सार्वभौमिक सद्भाव और सहयोग का वाहक रहा है और आगे भी रहेगा। 'लाइफ' (पर्यावरण के लिए लाइफस्टाइल) की अवधारणा इन सिद्धांतों के साथ निकटता से जुड़ी हुई है। नवंबर 2021 में ग्लासगो में सीओपी-26 में प्रधानमंत्री ने इसका परिचय कराया था। पिछले महीने, इस मिशन को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेज़ की उपस्थिति में आधिकारिक तौर पर प्रधानमंत्री द्वारा गुजरात की स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर इसे लॉन्च किया गया था। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कहा कि कुल मिलाकर इस आंदोलन का मकसद "जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई को लोकतांत्रिक बनाना" है जिसमें "हर कोई अपनी क्षमता के अनुसार योगदान दे सकता है।" सामाजिक और व्यक्तिगत दोनों स्तरों पर, खपत और उत्पादन के पैटर्न में बदलाव को ध्यान में रखते हुए, 'लाइफ' से उम्मीद है कि वो दुनिया भर में बड़े पैमाने पर पर्यावरण के लिहाज से टिकाऊ प्रथाओं को प्रोत्साहित करेगा।

जी-20 की अध्यक्षता में भारत को अपने सामंजस्यपूर्ण दर्शन और प्राचीन सभ्यता संबंधी उन परंपराओं को दिखाने का मौका मिलेगा जिन्होंने पीढ़ियों-पीढ़ियों से पृथ्वी के साथ अपने समग्र संबंध को कायम रखा है। टिकाऊ प्रथाओं का समृद्ध इतिहास भारत को एक ऐसे विशिष्ट स्थान पर रखता है जहां वो जलवायु और विकास एजेंडे को एकीकृत करने के बारे में बात कर सके। डिजिटल मोर्चे की बात करें तो भारत मिसाल कायम करते हुए नेतृत्व करने को तैयार है। इसकी डिजिटल कामयाबी की कहानी खुद-ब-खुद बोलती है। टेक्नोलॉजी प्रेरित समाधानों के लिए मानव-केंद्रित दृष्टिकोण में उसका बुनियादी भरोसा, कई प्रमुख क्षेत्रों पर ज्यादा बड़ा ध्यान दिला सकता है। ये प्रमुख क्षेत्र हैं - पब्लिक डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, वित्तीय समावेशन और कृषि से लेकर शिक्षा तक टेक्नोलॉजी युक्त विकास। भारत एक ऐसा देश है जहां रियल टाइम डिजिटल लेनदेनों की दुनिया में सबसे बड़ी संख्या (2022 तक 48 बिलियन) है, और जो सबसे बड़ी बायोमेट्रिक आईडी सिस्टम (आधार) का घर है। वो डिजिटल वित्तीय समावेशन, डिजिटल पहचान और सहमति आधारित ढांचों के इर्द गिर्द बातचीत को आकार देने के लिए एक महत्वपूर्ण स्थिति में है। इसके अलावा, भारत अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी नतीजे देने के लिए प्रतिबद्ध है। इनमें महिला सशक्तिकरण, 2030 एसडीजी की दिशा में तेजी से प्रगति, कई क्षेत्रों में तकनीक आधारित विकास, हरित हाइड्रोजन, आपदा जोखिम में कमी, खाद्य सुरक्षा और पोषण को बढ़ाना, और बहुपक्षीय सुधार आदि शामिल है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की है कि ऋण संकट भारत की जी-20 मुद्दों की सूची में शुमार होगा, ऐसे में ये स्पष्ट है कि ये मुल्क ग्लोबल साउथ के हितों के लिए एक प्रभावी झरोखा बनने को तैयार है और वो विकसित दुनिया की अलग-थलग चिंताओं को व्यापक एजेंडे पर हावी होने नहीं देगा। इस क्षेत्र और दुनिया भर में भारत की एक मजबूत राजनीतिक उपस्थिति है।

इसके साथ भारत के पास दुनिया के लिए एक ज्यादा समावेशी, शांतिपूर्ण और समृद्ध भविष्य की मध्यस्थता करने हेतु अपने भारी राजनयिक रसूख का लाभ उठाने का अवसर है। साथ में उम्मीद है कि 'वन अर्थ. वन फैमिली. वन फ्यूचर' की अपनी थीम और लोगो के साथ भारत जी-20 की अध्यक्षता से एक विलक्षण, शक्तिशाली संदेश देगा। वो ये कि - अब हम सभी के लिए वक्त आ चुका है कि हम कदम उठाएं और इस साझे ग्रह की जिम्मेदारी लें।

शिक्षा विभाग द्वारा अंतर-ज़िला स्कूल खेल के लिए जारी किया कैलंडर : हरजोत सिंह बैंस

37 खेल और एथलैटिक्स के ईवैंट्स के लिए 23 जिलों में नवंबर- दिसंबर महीने में होंगे मुकाबले

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब स्कूल शिक्षा विभाग की स्पोर्ट्स ब्रांच द्वारा सैशन 2022-23 की अंतर-ज़िला स्कूल खेल का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। यह जानकारी गुरुवार को यहाँ पंजाब स्कूल शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस द्वारा दी गई। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा प्राईमरी, मिडल और सीनियर सेकंडरी स्तर की खेल को अंडर 14, 17 और 19 साल वर्ग में आयोजित करवाने सम्बन्धी हिदायतें भी समूह ज़िला शिक्षा अफसरों को जारी की गई हैं। जिन ज़िलो में सम्बन्धित खेल का आयोजन किया जाना है उस ज़िले द्वारा खिलाडियों और उनके साथ आए अध्यापक स्टाफ, ड्यूटी पर आए अफ़सरों/कर्मचारियें के लिए आवास, खाने और खेल के स्थान का प्रबंध मेज़बान ज़िले द्वारा ही किया जायेगा। खिलाडियों

को सुबह की चाय, ब्रेकफास्ट और डिनर निर्धारित मैन्यू के अनुसार आवासीय जगह या खेल स्थान के नज़दीक ही देने के निर्देश दिए गए हैं। खिलाडियों के लिए लंच और दोपहर की चाय खेल वाले स्थान पर ही उपलब्ध करवाई जायेगी। इसके अलावा खेल के सुचारू संचालन के लिए भी ज़रूरी हिदायतें जारी की गई हैं।

बैंस ने बताया कि इस बार नवंबर-दिसंबर महीने के दौरान पंजाब राज्य के 23 जिलों में 37 खेल और एथलैटिक्स के मुकाबले होंगे। जिन खेलों के मुकाबले करवाए जा रहे हैं उनमें किक बॉक्सिंग, रोलर सकेटिंग/हॉकी, कबड्डी नेशनल स्टाइल, सर्कल कबड्डी, खो-खो, वॉलीबाल, फेंसिंग, कुश्तियाँ, शतरंज, बॉल शूटिंग, बॉक्सिंग, कराटे, रस्साकशी, सॉफ्टबॉल, बास्केटबॉल, हैंडबॉल, क्रिकेट, वॉलीबॉल, नेटबॉल, गतका, शूटिंग, कैरम, आरचरी, लॉन टैनिस, ट्रैक साइकलिंग, रोड साइकलिंग, बैडमिंटन, फ़ुटबॉल, जिम्नास्टिक, टेबल टैनिस, जूडो, वेट लिफ्टिंग, पावर लिफ्टिंग, तैराकी, लंगोरी और योगा के अलावा एथलैटिक्स के मुकाबले करवाए जाएंगे।

बाल दिवस पर करवाई जाएंगी सह-अकादमिक गतिविधियां

पंजाब स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 14 नवंबर 2022 को बाल दिवस के अवसर पर सह-अकादमिक गतिविधियाँ और शैक्षिक मुकाबले करवाए जाएंगे। यह जानकारी पंजाब के स्कूल शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस द्वारा दी गई। उन्होंने बताया कि बाल दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों की कलाओं को सामने लाने के लिए यह प्रयास किया जा रहा है। इस दिन स्कूलों में विद्यार्थी बिना बस्तों के पहुँचेंगे और स्कूलों में करवाई जाने वाली सह-अकादमिक गतिविधियाँ और शैक्षिक मुकाबलों में भाग लेंगे। इस सम्बन्धी विभाग द्वारा सुबह 9 बजे से स्कूलों के समय के अनुसार विस्तार में शड्यूल भी जारी किया गया है। इस मौके पर प्राईमरी कक्षाओं के लिए भाषण, सुंदर लेखन, कविता गायन, और पंजाबी पढने के मुकाबले करवाए जाएंगे। अपर प्राईमरी कक्षाओं के लिए प्राईमरी वाले मुकाबले तो होंगे ही साथ ही पंजाबी बोली सम्बन्धी नारे लिखने के मुकाबले, खो रहे ठेठ पंजाबी शब्दों के अर्थ बताने के मुकाबले, पंजाबी, भाषा साहित्य और सभ्याचार संबंधी आम ज्ञान, पंजाबी में बुझारतें बूझने, पंजाबी लोकोक्तियाँ और मुहावरों के मुकाबले, पंजाबी में कैलीग्राफ़ी के मुकाबले, पंजाबी लेख मुकाबले और आज के शब्दों में से मुकाबले करवाए जाएंगे। इसके अलावा प्री-प्राईमरी कक्षाओं के विद्यार्थियों के भी उनकी उम्र के अनुसार विशेष मुकाबले करवाए जाएंगे।

रबी की फसलों के लिए उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता, सुचारू सप्लई जारी : डीसी

आने वाले दिनों में और रेक आने से आपूर्ति में तेजी आएगी

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

डिप्टी कमिशनर जसप्रीत सिंह ने गुरुवार को कहा कि जिले में रबी 2022-23 के लिए किसानों को यूरिया और डीएपी की आवश्यक मात्रा की किसानों को आपूर्ति की जा रही है और अगले कुछ दिनों में नए रेक लगाने से आपूर्ति में तेजी आएगी। उन्होंने जिला सहकारी समितियों और कृषि विभाग के अधिकारियों को किसानों को इन उर्वरकों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है। डिप्टी कमिशनर ने सहकारी समितियों, संबंधित एजेंसियों और कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान संतोष व्यक्त किया कि जिले में 244 सहकारी समितियों के माध्यम से 65.84 प्रतिशत यूरिया और डीएपी की 73.14 प्रतिशत आपूर्ति पूरी हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि किसानों की जरूरतों के अनुरूप आपूर्ति भी पहले की तरह कुशल तरीके से किसानों को उपलब्ध करवाई जाए ताकि रबी 2022-23 की फसलों की अच्छी तरह से खेती की जा सके। सहकारी समितियों के डिप्टी डायरैक्टर ने डिप्टी कमिशनर को बताया कि अब तक किसानों को 65.84 प्रतिशत यूरिया और 73.14 प्रतिशत डीएपी की आपूर्ति मार्कफेड और इफको के माध्यम से जालंधर-1 और 2, फिल्लौर, नकोदर और शाहकोट सर्कल के लिए खाद उपलब्ध करवाई गयी है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने कहा कि आने वाले दिनों में मालगाड़ी के माध्यम से इन उर्वरकों की आपूर्ति से किसानों को उर्वरकों की आपूर्ति में तेजी आएगी. इस अवसर पर सहकारी समितियों के डीसी डॉ. जगदीश सिंह, मार्कफेड के चरणजीत सिंह, कृषि विकास अधिकारी अमरीक सिंह आदि उपस्थित थे।

प्लेसमेंट कैम्प में रोजगार के लिए 37 उम्मीदवारों का मौके पर चुनाव

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

बेरोजगार युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए जिला रोजगार एवं कारोबार ब्यूरो (डीबीईई) द्वारा गुरुवार को आयोजित प्लेस्मेंट कैम्प में 37 उम्मीदवारों का मौके पर ही रोजगार के लिए चुनाव किया गया। इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए रोजगार उत्पत्ति, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण अधिकारी रंजीत कौर ने बताया कि प्लेसमेंट कैंप में एजीआई. इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड और एलएंडट ने पहुँच की और 61 उम्मीदवारों ने भाग लिया, जिनमें से 37 उम्मीदवारों को रोजगार के लिए चुना गया है।

रंजीत कौर ने कहा कि डीबीईई की तरफ़ से युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने में अहम भूमिका निभाई जा रही है। उन्होंने युवाओं को रोजगार के अधिक अवसरों के लिए जिला प्रशासकीय परिसर स्थित जिला रोजगार एवं व्यवसाय ब्यूरो से संपर्क करने को कहा। इस बारे में अधिक जानकारी के लिए दफ़्तर के हेल्पलाइन नं. 90569-20100 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

रुडसैट में ब्यूटी पार्लर कोर्स पूरा करने पर विद्यार्थियों को बांटे सर्टिफिकेट

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

ग्रामीण विकास एवं स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थान (रूडसैट) ने स्व-रोजगार के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने की कडी के तहत ब्यूटी पार्लर मैनेजमेंट कोर्स के अंत में 31 शिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र बाँटे गए। केनरा बैंक एजीएम नीरू वाधवा ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए कहा कि रूडसैट द्वारा युवाओं को नि:शुल्क स्व-रोजगार प्रदान करने की जो पहल की गई है, वह वर्तमान समय में बहुत ही सराहनीय है, जिससे हजारों युवाओं को अपना व्यवसाय स्थापित कर रोजगार मिला है। उन्होंने पार्लर मैनेजमेंट का कोर्स पूरा करने वाले प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएं दी और उन्हें भविष्य में कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी छात्रों को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। संस्थान के डायरैक्टर तरुण कुमार सेठी ने कहा कि 18 से 45 वर्ष की आयु के उम्मीदवार संस्थान से विभिन्न कोर्स में मुफ्त प्रशिक्षण प्राप्त करके अपने दम पर खड़े हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इन छात्रों को आवास और भोजन की सुविधा भी मुफ्त प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि युवा अधिक जानकारी संगठन की वेबसाइट www.rudsetitraining.org पर या मॉडल हाउस स्थित संत नामदेव भवन में स्थापित संगठन के कार्यालय से प्राप्त कर सकते है।

खसरा व रुबेला के खात्मे के लिए गंभीरता से कार्य करें : संदीप हंस

• जालंधर ब्रीज.होशियारपुर

दिसंबर 2023 तक खसरा व रुबेला के खात्मे के मद्देनजर नियमित टीकाकरण, निगरानी व सुदृढ़ीकरण के संबंध में आज जिला टास्क फोर्स की बैठक जिला प्रशासकीय कांप्लेक्स में डिप्टी कमिश्नर संदीप हंस की अध्यक्षता में हुई। बैठक में स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग के सभी प्रोग्राम अधिकारी व सीनियर मैडिकल अधिकारियों ने भाग लिया।

डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि भारत सरकार 2023 तक खसरा व रुबेला (एम.आर के खात्मे के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने कहा कि खसरा व रुबेला के खात्मे के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाए। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को स्लम इलाको, ईंट भ_ो आदि में 5 वर्ष तक के बच्चों के टीकाकरण का निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे।

संदीप हंस ने जिला टास्क फोर्स को टीकाकरण व इसकी निगरानी गतिविधियों को तेज करने संबंधी योग्य कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 5 वर्ष की आयु के बच्चों के टीकाकरण के लिए प्रयास किए जाए और योजनाबद्ध तरीके से टीकाकरण किया जाए। अगर किसी ने खसरा व रुबेला का टीकाकरण नहीं करवाया है तो वे बुधवार को सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर टीकाकरण करवा सकते हैं। इस मौके पर सिविल सर्जन डा. प्रीतमोहिंदर सिंह, डिप्टी मैडिकल कमिश्नर डा. हरबंस कौर, सहायक सिविल सर्जन डा. पवन कुमार, जिला टीकाकरण अधिकारी डा. सीमा गर्ग के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता के लिए मैगा कैंप

• जालंधर ब्रीज.कपूरथला

पंजाब राज कानूनी सेवाएं अथारिटी, एसएएस नगर (मोहाली) के निर्देशानुसार, जिला प्रशासन और जिला कानूनी सेवाएं अथारिटी , कपूरथला के संयुक्त सहयोग से 10-11-2022 को बी.डी.पी.ओं कार्यालय कपूरथला में सभी विभागों की तरफ से चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से डीपीओ मेगा कैंप का आयोजन अमनदीप कौर चहल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-कम-सचिव, जिला कानूनी सेवाएं अथारिटी की तरफ से किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने सभी विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों पर जाकर उन विभागों द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर जिला कानूनी सेवाएं अथारिटी, कपूरथला ने कानून भलाई योजनाओं बारे जानकारी देने के लिए लगाए स्टाल का निरीक्षण किया। डियूटी दे रहे हरमनदीप सिंह बावा वकील, माधव धीर वकील एवं पुष्कर राज्य को-आडीनेटर को निर्देश दिए गए कि स्टाल पर आने वाले जरूरतमंद लोगों को मौके पर ही कानूनी सलाह दी जाए और आवेदकों को विभाग द्वारा प्रिंट करवाया साहित्य दिया जाए ताकि कानूनी सहायता प्राप्त करने के लिए आवेदन पत्र भर सकें। इन स्टालों पर संबंधित विभागों के प्रभारियों और कर्मचारियों द्वारा डियूटी निभाई गई। उक्त मेगा कैंप के आयोजन में बीडीपीओ दफ्तर कपूरथला का अहम योगदान रहा।

बाल दिवस को समर्पित प्रतियोगिताएं करवाईं, 30 स्कूलों ने लिया भाग

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

जिला बाल कल्याण परिषद ने स्थानीय रैड क्रॉस भवन में बाल दिवस को समर्पित जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें जिले के 30 स्कूलों के छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताएं शुरू करने के अवसर पर अतिरक्त डिप्टी कमिशनर (विकास) वरिंदरपाल सिंह बाजवा ने बच्चों को इस तरह की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। परिषद की सचिव रंजना बंसल ने प्रतियोगिताओं के परिणाम की जानकारी देते हुए कहा कि ग्रुप डांस प्रतियोगिता में पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल, जालंधर छावनी ने पहला स्थान व दशमेश पब्लिक सी.सै. स्कूल मॉडल हाउस ने दूसरा स्थान हासिल किया। काव्य प्रतियोगिता में पुलिस डीएवी स्कूल जालंधर छावनी के मनकिरण प्रथम, ए.पी.जे. स्कूल महावीर मार्ग भवलीन कौर और संत रघबीर सिंह एआईएमएस सीनियर सकैंडरी स्कूल के ईशनूर सिंह ने संयुक्त दूसरा स्थान हासिल किया। सरकारी कन्या सीनियर सकैंडरी स्कूल नेहरू गार्डन की मन्नत खुराना और सरकारी सीनियर सकैंडरी मॉडल हाउस की मैशा तीसरे स्थान पर रही। उन्होंने कहा कि प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बच्चे 16 नवंबर को बठिंडा में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय बाल दिवस कार्यक्रम में भाग लेंगे।

भारत को नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करने में मदद कर सकती है सौर ऊर्जा

दुनिया सौर क्रांति की दहलीज़ पर है। सूर्य, न केवल दुनिया का सबसे प्रचुर और स्वच्छ ऊर्जा स्रोत है, बल्कि व्यापक तौर पर इसे स्वीकार किए जाने के साथ, यह अंतर्राष्ट्रीय जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाने के लिए सुलभ ऊर्जा के रूप में आवश्यक हो गया है। कई देशों के पास अब अच्छी तरह से स्थापित नीतियां और विनियम हैं, जो इसे वैश्विक जलवायु कार्रवाई के लिए आवश्यक पैमाना और सामर्थ्य प्रदान करते हैं। सौर ऊर्जा, न केवल विकासशील देशों में ऊर्जा पहुंच और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, बल्कि विकसित देशों में बैटरी ऊर्जा संचयन, इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग अवसंरचना और हाइड्रोजन उत्पादन के एकीकरण के माध्यम से ऊर्जा के स्रोतों में बदलाव के लिए सुविधा भी प्रदान कर रही है। लागत, सरल और आसान रख-रखाव, सहज संरचना बदलाव, विभिन्न अनुप्रयोग आदि के सन्दर्भ में अन्य ऊर्जा प्रौद्योगिकियों पर तकनीकी श्रेष्ठता के बावजूद, सौर ऊर्जा उत्पादन एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना कर रहा है, जिसके समाधान की आवश्यकता है। वैश्विक फोटोवोल्टिक (पीवी) विनिर्माण आपूर्ति श्रृंखला कुछ ही देशों में केंद्रित है, जिसके परिणामस्वरुप मौजूदा सीमित आपूर्ति श्रृंखलाओं में अवरोध होने के बाद, हाल ही में कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है। अतिरिक्त चुनौती सौर पैनलों की खरीद से जुड़ी है। अनुमान है कि सौर पीवी की वैश्विक मांग, निम्नतम स्तर पर भी, को पूरा करने में 2030 तक 5,000 गीगावाट (जीडब्ल्यू) की संचयी क्षमता की आवश्यकता होगी। हालांकि, सौर पैनलों की कम होती कीमतों और दुनिया भर में की जा रही पहलों को देखते हुए, यह अनुमान लगभग 10,000 गीगावाट तक भी पहुंच सकता है। इसका मतलब है कि हर साल लगभग 800-1,000 गीगावाट तक पीवी की वार्षिक क्षमता में वृद्धि हो सकती है, जो अब तक 200 गीगावाट तक सीमित थी। भविष्य में वर्तमान क्षमता से पांच गुना अधिक की खरीद की आवश्यकता होगी, इसलिए हमें सहनीय तथा विविधतापूर्ण आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने की आवश्यकता है।

110 सदस्य और हस्ताक्षरकर्ता देशों के साथ, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन इस बदलाव के लिए प्रयासरत है। नई प्रौद्योगिकियां बाजार में आएंगी, जिनमें सौर-प्लस बैटरी का प्रतिस्पर्धी होना शामिल हैं। आपूर्ति श्रृंखला के साथ नई सौर पीवी विनिर्माण सुविधाएं 2030 तक अरबों रुपये के निवेश आकर्षित कर सकती हैं। पूरी आपूर्ति श्रृंखला में वार्षिक निवेश स्तर को दोगुना करने की आवश्यकता है। पॉलीसिलिकॉन, इनगोट और वेफर्स निर्माण महत्वपूर्ण चरण हैं और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए इनमें अधिक निवेश की आवश्यकता होगी। सौर ऊर्जा प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है तथा सौर ऊर्जा के अलावा कोई अन्य उपयुक्त तकनीक नहीं है, जो घरों और समुदायों को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बना सकती है। सौर ऊर्जा, नेट जीरो आधरित भारत के उस लक्ष्य को हासिल करने की आधारशिला बन सकती है, जिसे देश ने 2070 के लिए निर्धारित किया है।

-आर के सिंह, भारत सरकार के ऊर्जा और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री हैं तथा अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के अध्यक्ष हैं। व्यक्त किए गए विचार व्यक्तिगत हैं।

एडीसी ने ग्रामीण विकास कार्यों में गुणवत्ता पर ध्यान देने के दिए निर्देश

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

अतिरिक्त डिप्टी कमिशनर (विकास) वरिंदरपाल सिंह बाजवा ने आज ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग से संबंधित जिले में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की और कहा कि इन कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। एडीसी बाजवा ने जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी, जिला परिषद के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सभी ब्लाक विकास एवं पंचायत अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों के साथ बैठक में कहा कि विकास कार्यों से संबंधित एक-एक चीज पर विचार करते हुए इन कार्यों को पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि इन कार्यों से संबंधित प्रगति रिपोर्ट एक सप्ताह के भीतर पेश की जाए ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि गांवों में विकास के मामले में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं होनी चाहिए ताकि निवासियों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें।

सेमीफाइनल में टीम इंडिया की हार

टी20 विश्व कप के फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड और पाक की होगी भिड़ंत

एडीलेड : टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम की शर्मनाक हार हुई है। टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ 168 रन बनाए थे। जीत के लिए इंग्लैंड को 169 रन बनाने थे। इंग्लैंड ने इस लक्ष्य को बिना किसी विकेट खोए हासिल कर लिया। इंग्लैंड की ओर से दोनों ही सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स और जॉस बटलर ने ताबड़तोड़ पारी खेलते हुए 17वें ओवर में ही टीम को जीत दिलवा दी। इंग्लैंड की एकतरफा जीत के बाद टी-20 विश्वकप के दूसरे फाइनलिस्ट का फैसला हो चुका है। 13 अक्टूबर को टी20 विश्व कप 2022 का फाइनल मुकाबला इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच खेला जाएगा।

पाकिस्तान की टीम न्यूजीलैंड को हराने के बाद सेमीफाइनल में पहले ही प्रवेश कर चुकी है। एक बार फिर से नॉकआउट में हारने का कलंक तोड़ने में टीम इंडिया नाकाम रही। 2013 के बाद से भारतीय टीम ने आखिरी दो चरण की बाधा पार नहीं की है। हाई प्रेशर मुकाबले में इंग्लैंड की ओर से शानदार प्रदर्शन किया गया। जोस बटलर ने नाबाद 80 रनों की पारी खेली। विराट कोहली ने भी 40 गेंद में 50 रन बनाये लेकिन भारतीय पारी का आकर्षण हार्दिक पंड्या रहे जिन्होंने टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.